(d) Due to operational and resource constraints, this new train is not feasible.

दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत हुई रेल दुर्घटनाएं

1993. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) वर्ष 1991-92 से 1993-94 की अवधि के दौरान दक्षिण-पूर्व रेलवे के अन्तर्गत प्रति वर्ष कितनी माल गाड़ी एवं यात्री गाड़ियां दुर्घटना ग्रस्त हुई हैं,

(ख) इनमें से कितनी दुर्घटनाएं मानवीय गलतियों एवं कितनी तकनीकी खामियों की वजह से हुई हैं,

(ग) इन दुर्घटनाओं से जन एवं धन की प्रति वर्ष हुई हानि का ब्यौरा क्या हैं, और

(घ) इस रेल मार्ग के अन्तर्गत रेल का कितना लंबी पटरियों को पुरानी हो जाने के कारण बदले जाने की आवश्यकता हैं, तथा इनकों बदले जाने के लिए की जा रही कार्यवाही ब्यौरा क्या हैं ?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) से (ग) सूचना निम्नानुसार हैं :-

	1991-92	1992-93	1993-94
मालगाड़ियों की दुर्घटनाएं	65	82	85
यात्री गाड़ियों की दुर्घनाएं	20	25	19
मानवीय चूक के कारण दुर्घटनाएं	64	81	68
उपस्कर की खराबी के कारण दुर्घटनाएं	8	10	17
मारे गए व्यक्तियों की संख्या	13	54	31
रेल सम्पत्ति को हुई क्षति की लागत (करोड़ रु. में)	6.51	13.80	22.51

(घ) 1.4.1997 को 2143 कि. मी. रेलपथ का नवीकरण करना शेष हैं । इसमें से 1429 कि.मी. रेलपथ नवीकरण के लिए स्वीकृत कर दिया गया हैं । 1997-98 के दौरान, 1429 कि.मी. रेलपथ में से 610 कि.मी. रेलपथ के नवीकरण करने की योजना बनाई गई हैं । यह 1997-98 के दौरान 290 करोड़ रु. के बजट आबंटन पर आधारित हैं ।

भोपाल-झांसी खंड में रेलवे के सामान की चोरी

1994. **श्री राघव जी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि मध्य रेलवे में भोपाल-झांसी के बीच स्लीपर्स, स्क्रेप आदि जैसे रेलवे के सामान की चोरी के मामले गत एक वर्ष के दौरान प्रकाश में आये हैं ?

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं, और

(ग) क्या चोरी के मामले में लिप्त अपराधी पकड़े गये हैं, यदि हां,तोउनके नाम क्या-क्या हैं तथा अब तक उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गई हैं ?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) गत वर्ष 1996 में एक प्रकरण पंजीकृत किया, जिसमें चोरी गई रेल संपत्ति कीमत रू. 70,000/- पूर्ण रूप से बरामद हुई एवं 5 बाहरी व्यक्ति गिरफ्तार किये गये । मामला न्यायालय में विचारधीन हैं ।

इस वर्ष 1997 माह जून तक तीन प्रकरण पंजीकृत किये जिनमे रु. 2,82,000/- कीमत की रेल संपत्ति चोरी गयी जिसमें से 2 प्रकरण में रु. 2,42000/- की रेलवे संपत्ति बरामद करके 8 बाहरी व्यक्ति और 5 रेल कर्मचारियों को गिरफ्तार किया व रेलवे संपत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के अंतर्गत जांच जारी हैं । रेल कर्मचारियों मे से 4 को निलम्बित किया गया एवं रेल पथ निरीक्षक को विदीशा से अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया । गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम निम्नलिखित हैं:-

बाहरी व्यक्ति

लखन, मुन्ना, सियाराम, गुलाब, कल्लू, केशव-उत्तम सिंह, राजू

रेल कर्मियों के नाम

दयाराम, सुरेश चंद्र राजपूत, आर. सी. मीना. सियाराम वर्मा, बैजनाथ मिश्रा ।

द्रुत-परिवहन व्यवस्था हेतु सर्वेक्षण

1995. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बडोदरा जंक्शन में मिलने वाली आठों सेक्शन की प्रत्येक रेल लाइन कें संबंध में दैनिक यातायात सर्वेक्षण कर लिया गया हैं ताकि द्रुत परिवहन व्यवस्था को लागू किया जा सकें,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं,

(ग) क्या कम से कम बडोदरा-अहमदाबाद, बडोदरा- गोधरा और बडोदरा-सूरत के बीच द्रुत परिवहन व्यवस्था लागू करने का काई प्रस्ताव हैं,

(घ) यदि हां, तो तत्संबंध ब्यौरा क्या हैं,

(ङ) क्या बडोदरा जंक्शन पर तिहरी लाइन बिछाने के लिए विभागीय प्रबंधक द्वारा कोई आवेदन सरकार को प्रेषित किया गया हैं, और

(च) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं ?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) जी नही ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) जी नहीं । बहरहाल उपनगरीय परिवहन योजना शहरी मामले एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आती हैं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ड़) बडोदरा जंक्शन पर तीसरी लाइन का कोई प्रस्ताव नहीं हैं ।

(च) प्रश्न नहीं उठता ।

"पासवान जी देखिए क्या सीन है" शीर्षक से प्रकाशित समाचार

1996. **श्री राम गोपाल यादव :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 15 जून, 1997 के "राष्ट्रीय सहारा" के मुख्य पृष्ठ पर "पासवान जी देखिए क्या सीन हैं" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया हैं, और

(ख) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया हैं तथा इस संबंध में सरकार ने तत्काल प्रभाव से क्या कदम उठाए हैं ?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) जी हां ।

(ख) समाचार पत्रों मे प्रकाशित रिपोटों सहित समय-समय पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की सक्षम प्राधिकारी द्वारा विधिवत जांच की जाती हैं तथा निवारक कार्यवाही की जाती हैं । जिसमें शिकायत के लिए उत्तरदायी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही करना भी शामिल हैं । 1994-95 तथा 1995-96 के दौरान क्रमशः 2407 तथा 2252 रेल कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई थी । समाचार पत्र में प्रकाशित इस विषिष्ट घटना के संबंध में उत्तर रेल द्वारा तत्परता से जांच की गई तथा किसी भी रेल कर्मचारी को प्रथम दृष्टता दोषी नहीं पाया गया । यात्री सुविधाओं के लिए अलग धनराशि की व्यवस्था करके कार्यक्रमों के आधार पर स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार लाने/ उन्हें सुचारू बनाने हेतु निरन्तर प्रयास भी किए जाते हैं ।

Procurement of newspapers for passengers

1997. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Lunch, Dinner as well as newspapers are supplied to the passengers in the various Rajdhani and Shatabdi Express trains as per the order of the Ministry;

(b) whether it is also a fact that the newspapers are procured by the Railways from the bookstall contractors at the train originating station or from an intermediate station;

(c) whether as per the instructions contained in the Ministry's letter No. 89 TGl/10/50 dated: 25th February, 1997 and separate agreement is executed with the Book Stall contractors by the Railways; and

(d) if not, the detailed reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS, PASWAN): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. At some Stations.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

Higher rat«f charged by new stalls at railway stations

1998. SHRI GAYA SINGH: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of new stalls are being allotted by the Chief Traffic Manager, Delhi to the